कॉलेज गर्ल बनी कॉलगर्ल-2

“मैंने और मेरी सहेली ने पासे कमाने के लिए कालगर्ल बनना तय किया और एक एजेंट से सेटिंग करके दो रात की बुकिंग भी कर ली. अपने क्लाइंट से मिलने से पहले हमने क्या किया ? ...”

Story By: (mushkann)
Posted: Friday, January 24th, 2020
Categories: जवान लड़की
Online version: कॉलेज गर्ल बनी कॉलगर्ल-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कॉलेज गर्ल बनी कॉलगर्ल-2

 यह कहानी सुनें

दोस्तो, आप सबकी प्यारी मुस्कान सिंह अपने सहेली कॉलेज गर्ल की सेक्स की कहानी का दूसरा भाग लेकर हाज़िर है।

अभी तक आपने मेरी सहेली की कहानी में पढ़ा कि सुरेखा और उसकी सहेली कॉल गर्ल बनने के रास्ते पर आगे बढ़ गई थी।
अब आगे क्या हुआ ये जानिए।

रात भर हम दोनों ने फ़ोन पर ब्लू फ़िल्म देखकर बहुत कुछ सीखा।
सुबह 9 बजे एजेंट का फ़ोन आया और हम दोनों को तैयार रहने के लिए बोला।

मगर हम दोनों को तो शाम को जाना था मगर ये अभी क्यों आ रहा है यह सोच कर हम दोनों चिंता में आ गई।

कुछ देर बाद वो आया. हम दोनों को 50 हजार रुपये दिए और बोला- तुम दोनों की फ़ोटो उनको काफी अच्छी लगी. इसलिए उन्होंने पूरी पेमेंट एक साथ ही दे दी है।

फिर वो अपनी कार से हम लोगों को वहाँ से ले गया और एक पार्लर में हमें छोड़ दिया और दोनों को ही वहाँ फुल बॉडी वेक्स के लिए कहा और हम दोनों से हमारे कपड़ों के नाप पूछा और चला गया।
हम दोनों पार्लर में अपनी पूरे बदन को सजवाती संवारती रही और करीब 2 घंटे बाद वो वहाँ से हम दोनों को लेकर होटल आ गया।

वहाँ उसने हम दोनों को कुछ पैकेट दिए और कहा- ये मेरी तरफ से है। तुम दोनों मेरे लिए पहली बार काम कर रही हो तो इस बार की मेरी पूरी कमीशन तुम दोनों को ही दे दी।
वो हम दोनों को 5 बजे तैयार रहने के लिए बोल कर चला गया।

उसके जाने के बाद हम दोनों ने पैकेट खोल कर देखा उसमें हम दोनों के लिये एक एक ड्रेस थी जो बहुत ही छोटी थी. और एक ब्रा पेंटी क़ा सेट था वो भी डोरी वाला।

हम दोनों सहेलियों ने अपनी अपनी ड्रेस को पहन कर देखा। दोनों ही मस्त माल दिख रही थी। हम दोनों का ही बदन एकदम लाइट मार रहा था।

हमने उस तरह की पेंटी कभी नहीं पहनी थी इसलिए मुझे कुछ अच्छा नहीं लग रहा था। पेंटी इतनी छोटी थी कि केवल हमारी चूत ही ढक रही थी और पीछे से उसकी डोरी गांड की दरार में घुस गई थी।
दोनों ही एक दूसरी के नंगे चूतड़ों को देख कर मजाक कर रही थी।

वैसे हमें मिले 50 हजार रुपयों को पाकर भी दोनों काफी खुश थी।
फिर कुछ देर हम दोनों लेट गयी, आराम किया कि अब रात भर मेहनत करनी पड़ेगी।

ठीक 5 बजे वो एजेंट आ गया और हम दोनों उसकी कार से चल पड़ी।

हम दोनों की ड्रेस में सामने से हमारे स्तनों की लकीर दिख रही थी क्योंकि उसका गला कुछ बड़ा ही था। हम पीछे की सीट पर थी और वो आईने में हम दोनों के झांकते उरोजों को घूर रहा था।

करीब 2 घंटे के सफर के बाद हम लोग एक हार्म हाउस के सामने आ गए।
बडा सा गेट था, वहाँ मौजूद गेट कीपर ने उसे पहचान लिया और तुरंत गेट खोल दिया।
इसका मतलब वो पहले भी वहाँ आता रहा होगा।

हम दोनों कार से उतरी और अंदर चल दी एजेंट के पीछे।

वहाँ काफी बड़ी एक बिल्डिग थी, हम तीनों अंदर चले गए।

अंदर जाते ही देखा कि वहाँ 3 लोग के बीच एक मीटिंग चल रही थी।

उनमें से एक आदमी हम लोगों के पास आया और बोला- आ गए तुम लोग।
हम दोनों की तरफ देख कर बोला- वाओ यार … क्या माल लाया है। ये तो कली हैं पूरी।
वो दोनों तो खुश हो जायेंगे।

उसने एजेंट को कहा- इनको अंदर रूम में छोड़ कर आ. अभी मीटिंग चल रही है।
और हम दोनों को एक छोटे से कमरे में बैठाकर वो बाहर निकल गया।

कुछ देर बाद एक आदमी हम लोग के लिए कोल्ड ड्रिंक लाया और देकर चला गया।

करीब आधे घंटे बाद हम दोनों के लिए डिनर आ गया। हम दोनों ने बिना कुछ पूछे डरती हुई उसे खत्म किया।

करीब 9 बजे उन लोगों की मीटिंग खत्म हो गई और एजेंट हमें लेने आ गया।
हम दोनों उसके पीछे चल पड़ी।

कुछ कमरों के बाद एक और बड़ा सा कमरा था वहाँ वही तीनों लोग मौजूद थे, हम दोनों को उन सबके सामने खड़ा कर दिया।

एजेंट ने हमें वहाँ के मालिक से मिलवाया जो वहीं दो लोगों के साथ बैठा हुआ था।
वो बहुत ही बड़ी कंपनी के मालिक थे।

एजेंट ने हमें बोला- मैं अब तुम दोनों को लेने ही आऊँगा. साहब लोग को अच्छे से खुश

करना !
और वो चला गया।

वहाँ के मालिक वहाँ से उठ कर आये और हम दोनों के पीछे खड़े होकर अपना एक एक हाथ हम दोनों के कन्धे पर रखा और बोला- देखो ये दोनों साहब मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं. बाहर देश से आये हुए हैं. एक दो दिन हमारे साथ ही रहेंगे और तुम दोनों को भी इनके साथ ही रहना है। इनको किसी भी चीज की तकलीफ नहीं होनी चाहिए. यही तुम्हारा काम है।

मैंने उन दोनों की तरफ देखा. एक आदमी मुझे अरबी टाइप का लग रहा था उसने सफेद रंग का कुर्ता और सिर में काली पट्टी बांध रखी थी।
और दूसरा भी शायद वहीं का रहा होगा मगर वो कोट सूट पहने हुए था।

वो अरबी मुझे ही घूरे जा रहा था उसकी लम्बाई 6 फीट से भी ज्यादा की थी और शरीर भी भारी भरकम ही था।
हम दोनों को वही छोड़ कर वहाँ के मालिक चले गए.
अब हम वहाँ चार लोग ही बचे थे।

मालिक के जाते ही उस अरबी ने मुझे इशारा किया और अपनी तरफ बुलाया।
मैं धीमे कदमों से उसकी तरफ चल दी.

वहीं यास्मीन को भी उस दूसरे आदमी ने पास बुलाया। वो आदमी भी शरीर से पहलवानों की तरह था।

मैं जैसे ही उस अरबी के पास पहुँची तो उसने मुझे अपनी जांघ पर बैठने का इशारा किया।
मैं उसकी जांघ पर बैठ गई।
उधर यास्मीन भी उस आदमी की जांघ पर बैठ गई।

उसने मुझे एक हाथ से सम्हाल लिया और मेरी बांह को हाथ से सहलाते हुए एक ग्लास विहस्की पिला दी।
मैंने कभी विहस्की नहीं पी थी मगर किसी तरह से पूरा ग्लास खत्म कर दिया।
मैं उसकी गोद में किसी बच्ची की तरह लग रही थी।

वहाँ यास्मीन भी विहस्की का घूंट पी चुकी थी बार बार हम दोनों सहेलियां एक दूसरे को देख रही थी।
इतने में उस अरबी ने मेरी जांघ पे अपना एक हाथ रख लिया और सहलाने लगा।
मेरी ड्रेस ही ऐसी थी कि जांघ नंगी ही थी.

फिर वह मेरे सीने पे उंगलियों से मेरे दूध के बीच के भाग को सहलाते हुये उंगलियों को मेरे चेहरे पर फिराने लगा। मेरे होंठों पे कुछ देर उंगली फिराई और मुझे अपने सीने की तरफ खींच लिया।
और अपने चेहरे को मेरे चेहरे के पास लाकर मेरी आँखों में देखने लगा।

सच में दोस्तो, उस लंबे चौड़े आदमी से डर सा लग रहा था।
मैं तो जब भी चुदी थी अपने उम्र के ही लड़के से। मगर ये तो उम्र में भी बड़ा था और शरीर में भी।
इतना तो मैं समझ गई कि आज मेरी खैर नहीं है।

मैं इतना सोच ही रही थी कि उसने मेरे होंठों पर जोरदार चुम्बन करना शुरू कर दिया।
अपनी लम्बी जीभ मेरे मुंह में डाल कर मुझे बहुत गंदे तरीके से चूम रहा था।

उधर मेरी नजर यास्मीन पर गई तो देखा कि उसका तो और बुरा हाल था. वो आदमी उसे चूम भी रहा था और एक स्तन को जोर से मसल रहा था।

कुछ देर तक यही चलता रहा फिर वो दोनों ही रुक गए। फिर उन्होंने और शराब पी और एक एक पेग हम दोनों को भी पिलाया।
अब तो वो दोनों पूरे नशे में थे।
और हम दोनों भी।

रात के 11 बज चुके थे, हम चारों वहीं कमरे में ही थे।

फिर वो दोनों उठे और हम दोनों का हाथ पकड़ कर कमरे के बीच के खाली जगह पर ले आये और हम दोनों के कपड़े उतार दिए।
हम दोनों अब बस वो डोरी वाली चड्डी में थी।

यास्मीन के साथ वाले आदमी ने यास्मीन को गोद में उठाया और वहाँ से ले गया।
अब उस अरबी ने मुझे ऊपर से नीचे तक देखा और कुछ बोला.
मगर मैं समझ नहीं पाई.

मैंने दुबारा उससे पूछने की कोशिश की पर इतने में उसने मुझे गोद में किसी बच्ची की तरह उठा लिया और चल दिया और एक आलीशान कमरे में ले गया।
वहां एक गद्देदार बिस्तर पर मुझे फेंक दिया और अपने सारे कपड़े उतार दिये।

जब मैंने उसका लंड देखा तो सच में मेरी फट गई। कम से कम 8 इंच लंबा किसी घोड़े जैसा उसका लंड … मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि लंड ऐसा भी हो सकता है।
सच दोस्तो, उस वक़्त मेरे गांड का छेद अपने आप अंदर बाहर होने लगा.
शायद इसी को गांड फटना बोलते हैं।

फिर उसने मेरी चड्डी की डोरी खोल दी और चड्डी को अलग फेंक दिया। अब हम दोनों बिना कपड़ों के मतलब पूरे नंगे थे।

वो तुरंत मुझ पर झपट पड़ा और मेरे पैरों को फैला कर मेरी चूत को देखने लगा।
चूत देख कर वो मुस्कुराया शायद वो समझ गया था कि मैं कितनी चुदी हूँ और मैं इस काम में नई हूँ।

अब वो मेरे तने हुए उरोजों पर टूट पड़ा और एक निप्पल को मुंह में भर लिया और दूसरे दूध को बेरहमी से मसलने लगा। उसने दांतों से मेरे निप्पल को काटना शुरू कर दिया।
मैं तो बिस्तर पर पड़ी छटपटाने लगी. मुझे बहुत दर्द हो रहा था।

थोड़ी ही देर में मेरे दूध में जलन होने लगी और वो बिल्कुल लाल हो गए। मेरा दर्द उसे मजा दे रहा था वो और भी जालिम होकर दूध दबाने लगा।

सच में मेरे तो आंसू आ गए. मगर वो इतना कमीना था कि उसको रहम नहीं आ रहा था।

काफी देर तक मैं तड़पती रही. फिर उसने मुझे आजाद किया और मेरे सीने पर अपने दोनों पैर फैला कर बैठ गया। उसका विशाल लंड मेरे चेहरे के ठीक सामने आ गया। वो उसे मेरे चेहरे पर फिराने लगा.

उसकी महक मुझे अब मदहोश करने लगी थीं। उसका बड़ा सा सुपारा मेरे होंठों को बार बार छू रहा था।

फिर उसने लंड पकड़ कर मेरे मुँह में ठूँस दिया। इतना बड़ा लंड मेरे गले तक उतर गया और वो उसे अंदर बाहर करने लगा।
मुझे तो लग रहा था कि आज ये मेरी जान ही ले लेगा।

वो तेजी से मेरे मुंह को चोदे जा रहा था और मैं किसी तरह से बस सांस ले पा रही थी। वो ठीक मेरे दोनों दूध पर ही बैठा हुआ था और लंड आगे पीछे कर रहा था जिससे मेरे दूध पर बहुत दबाव पड़ रहा था।

मैं तो यही सोच रही थी कि ये चुदाई तो बहुत महंगी पड़ी।

एक कॉल गर्ल को क्या क्या झेलना पड़ता है आज पता चल रहा है।

अचानक से उसने मेरे चेहरे को दोनों हाथ से थाम लिया और मेरे मुँह में ही पूरा का पूरा माल भर दिया, जिसे न चाहते हुए भी मुझे अंदर करना पड़ा।
वो उठा और बगल में लेट गया।

उसने एक हाथ से मुझे अपने लपेटे में लिया और मुझे अपने ऊपर लेटा लिया। अपने दोनों हाथ से मेरी गांड को दबाने लगा और जोर जोर से उस पर चपेट मारने लगा।
फिर अपनी एक उंगली को गांड की दरार में लगा कर चूत और गांड के छेद को सहलाने लगा। फिर अचानक से उसने मेरी गांड में वो उंगली घुसेड़ दी, मैं एकदम से उचक गई।
ये देख उसको हंसी आ गई।

फिर उसने इशारे से फिर लंड चूसने को कहा।
मैं उसके ऊपर ही थी और नीचे होती हुई उसके लंड तक पहुँच गई और उसके ढीले लंड को अपने मुंह में भर लिया और दोनों हाथों से पकड़ कर चूसने लगी।
यह काम मैंने फ़ोन पर देख कर सीखा था।

इससे उसको भी अच्छा लग रहा था। कुछ ही पलों में उसके लंड ने फिर से विकराल रूप ले लिया।
मैं बस उसके सुपारे को तेजी से मुंह में अंदर बाहर करने लगी।

वो शायद अब चोदने के लिए बिल्कुल तैयार हो गया था। उसने मुझे रोका और उठ कर मुझे बिस्तर पर पटक दिया. फिर वो मेरी चूत के पास बैठ गया और मेरे दोनों पैर फैला दिये। अपने लंड के सुपारे को चूत पर दबा दबा के सहलाने लगा।

मेरी भी चूत से पानी निकलने लगा था, अब वो मेरे ऊपर आ गया वो मुझसे इतना लंबा था कि उसका सीना मेरे चेहरे पर आ रहा था। मैं उसके विशाल शरीर के नीचे मैं दब सी गई थी।

उसने मेरे दोनों हाथों को जोर से पकड़ लिया और लंड को मेरी चूत तक ले गया।
मुझे लगा कि वो लंड आराम से डालेगा पर उसने लंड सेट कर के अचानक से ही जोरदार धक्का लगा दिया।
इतना मोटा लंड चूत को चीरता हुआ पूरा का पूरा एक बार में मेरी बच्चेदानी से टकरा गया।

मैं इतनी जोर से चीखी थी कि मेरी आवाज पक्का बाहर तक गई होगी।
मेरे दर्द से उसे मजा सा आ रहा था वो तुरंत ही पूरे जोश में आ गया और पूरी ताकत से मेरी चुदाई करने लगा।

मैं रोये जा रही थी, तड़प रही थी मगर वो कुछ भी नहीं देख रहा था। वो हर धक्के में पूरा का पूरा लंड चूत में उतारता जा रहा था।
मजा तो दूर … मुझे ऐसा लग रहा था कि कहीं मेरी जान न निकल जाए।

काफी देर तक वो मुझे बिना रुके चोदता रहा. करीब 20 मिनट के बाद उसने अपना लंड बाहर निकाल दिया और जैसे ही लंड बाहर आया तेज़ पिचकारी छूट गई और सीधा मेरे चेहरे पर आकर पड़ी।

चेहरे के साथ साथ मेरे पेट और चूचियों पर उसका वीर्य बह गया था.
वो तुरंत ही मेरे बगल में निढाल होकर लेट गया।

मुझे बहुत दर्द हो रहा था मैं भी लेटी रही.

फिर वो उठा और अपना नाईट गाउन लपेट कर बाहर निकल गया।

मैं भी उठी और बाथरूम में जाकर अपने बदन को साफ करके वापस आकर लेट गई।

आगे की कहानी पढ़िये अगले भाग में।

दोस्तो, मेरी चूत की बड़े अरबी लंड से चुदाई की यह सेक्स स्टोरी आपको कैसी लगी ?
मुझे मेल करके बताइएगा।
mushkann85@gmail.com

Other stories you may be interested in

सगी बहन से निकाह करके सुहागरात-1

आज मैं आपको अपनी ज़िंदगी की एक बिल्कुल सच्ची घटना सुनाने जा रहा हूँ. ये मेरी निजी ज़िंदगी से ताल्लुक़ रखती है. मैं अन्तर्वासना का पुराना पाठक हूँ, और अपने सह-पाठकों को इस खूबसूरत घटना को पढ़ने से वंचित रखना […]

Full Story >>>

गर्लफ्रेंड की गांड की पहली बार चुदाई

अन्तर्वासना पर सभी को मेरा नमस्कार ; समस्त भाभियों व कमसिन कन्याओं को मेरा प्यार भरा नमस्कार ! दोस्तो, कैसे हो आप सब ? मैं नवनीत अजमेर से आप सभी पाठक पाठिकाओं का स्वागत करता हूं। मेरी उम्र 20 साल है लन्ड 6 […]

Full Story >>>

कॉलेज गर्ल बनी कॉलगर्ल-1

नमस्कार दोस्तो ! मैं आप सबकी प्यारी मुस्कान सिंह एक नई चुदाई की कहानी के साथ आप लोगों के सामने फिर से हाजिर हूँ। मेरी पिछली चुदाई की कहानी सफर में मिला नया लंड-1 को आप लोगों ने बेहद पसंद किया […]

Full Story >>>

कुँवारी बुर के साथ एक प्यासी चूत मिली

मेरा नाम विनय कुमार है। मैं बिहार से हूँ. मेरी उम्र 25 साल, हाइट 6 फिट और लंड 6 इंच का है. शरीर सुडौल है। स्कूल के दिनों में मैं बहुत शर्मीला था लेकिन छुप कर लड़कियों के उरोज देखने […]

Full Story >>>

पहली मोहब्बत और सेक्स-2

कहानी का पहला भाग : पहली मोहब्बत और सेक्स-1 एक औरत ने ये भी कहा- चलो दर्द तो कोई बात नहीं, अगर थोड़ा बहुत खून भी निकला तो घबराना मत। पहली बार में होता है। खून … !!!? मैं तो बुरी […]

Full Story >>>